HD-04

June - Examination 2019

B.A. Pt. II Examination

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Paper - HD-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **7 × 2 = 14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) आदिकाल की कोई भी दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ii) डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल' ने 'आदिकाल' को क्या नाम दिया?

(iii) रीतिकालीन दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) द्विवेदीयुग के काव्य की कोई दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(v) भावात्मक निबन्ध किसे कहते हैं?

(vi) एकांकी की परिभाषा दीजिए।

(vii) भादतेन्दु हरिश्चन्द्र के किन्हीं दो नाटकों का नाम बताइए।

खण्ड – ब **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) लौकिक साहित्य की विशेषताएँ और उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।

3) सूफी शब्द की व्युत्पत्ति बताते हुए सूफी काव्य परम्परा के प्रमुख कवि व उनके काव्य पर प्रकाश डालिए।

4) संतकाव्य की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

5) रीतिमुक्त काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

6) शुक्ल युगीन हिन्दी नाटकों पर प्रकाश डालिए।

7) रेखाचित्र और रिपोर्ताज में अन्तर बताइए।

8) समकालीन कविता की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

9) प्रगतिवादी काव्य में सामाजिक चेतना और व्यंग्यबोध की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – स **2 × 14 = 28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) छायावादी काव्यधारा के प्रमुख कवियों का परिचय देते हुए, काव्य की प्रवृत्तियों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

11) आधुनिक कालीन साहित्य की पृष्ठभूमि का विवेचन कीजिए।

12) 'भक्तिकाल' की सगुण भक्ति काव्यधारा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(क) प्रयोगवाद

(ख) यात्रावृतान्त

(ग) रासो साहित्य की विशेषताएँ

(घ) प्रेमचन्द और उनकी कथाधारा